

नोएडा को मिलेगी देश के सबसे बड़े रोबोटिक्स हब की सौगात : सीएम

लखनऊ और नोएडा में दो यू हब स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था

अमर उजाला ब्यूरो



भविष्य की तकनीकों के अनुरूप युवाओं को कौशल और प्रशिक्षण देने की तैयारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती तकनीक का सबसे बड़ा केंद्र बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। बृहस्पतिवार को सूचना प्रौद्योगिकी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने यह बात कही। नोएडा में प्रगति परियोजना और लखनऊ-नोएडा में यू हब स्थापित किए जाएंगे।

प्रगति परियोजना प्रदेश को विश्वस्तरीय रोबोटिक्स एवं एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग का आधार बनेगी। यू हब अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप, उद्योग, निवेशकों और शिक्षण संस्थानों को एक मंच पर जोड़ेंगे। ये डीप टेक नवाचार के

प्रमुख केंद्र बनेंगे। मुख्यमंत्री ने मजबूत डीप टेक इकोसिस्टम तैयार करने पर जोर दिया। नई तकनीकें प्रयोगशाला से उद्योग तक तेजी से पहुंच सकें, ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए। प्रगति परियोजना नोएडा में लगभग 75 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित होगी। यह भारत का पहला एकीकृत रोबोटिक्स एवं एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर होगा। इसका

आईआईटी कानपुर ने तैयार किया है मॉडल

वित्तीय वर्ष 2026-27 में लखनऊ और नोएडा में दो यू हब स्थापित होंगे। यू हब एक विशेष प्लग एंड प्ले इनक्यूबेशन और इनोवेशन सेंटर होता है। इसमें उद्यमियों को बिना किसी शुरुआती झंझट के काम शुरू करने के लिए रेडी-टू-यूज ऑफिस स्पेस, इंटरनेट और तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर मिलता है। इसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आईआईटी कानपुर के निदेशक की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति ने इसका मॉडल तैयार किया है। नोएडा यू हब क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर डिजाइन और रोबोटिक्स का केंद्र बनेगा। इसमें फिजिकल एआई, रक्षा प्रौद्योगिकी और उन्नत जैव प्रौद्योगिकी भी शामिल होंगी। लखनऊ यू हब में एप्लाइड एआई, गवर्नेंस और औद्योगिक एआई समाधानों पर फोकस रहेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र के एआई समाधान, बायोसाइंस और एग्री बायोटेक्नोलॉजी भी इसमें शामिल हैं।

उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना और एक लाख से अधिक रोजगार सृजित करना है। परियोजना से अगले पांच वर्षों में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होगा। युवाओं को अनुसंधान से उद्यमिता तक बढ़ने के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वस्तरीय

प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। यह प्रशिक्षण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में होगा। आईटी उद्योग का विस्तार गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद से आगे टियर 2 व टियर 3 शहरों तक किया जाएगा।